भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2850

जिसका उत्तर 12.12.2024 को दिया जाना है

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सड़क परियोजनाएं

2850. श्री सुधीर गुप्ताः

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही सड़क निर्माण परियोजनाओं का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में सड़क अवसंरचना विकास के लिए निधि का क्षेत्र-वार वर्तमान आवंटन और संवितरण कितना है;

(ग) मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण के समान वितरण को सुनिश्चित करने संबंधी तंत्र का ब्यौरा क्या है;

(घ) मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लिए उल्लिखित प्रमुख सड़क संपर्क लक्ष्यों और प्राथमिकताओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सड़क परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण संबंधी चिंताओं और सामुदायिक सहभागिता जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) सरकार यातायात संबंधी आवश्यकताओं, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की समग्र उपलब्धता के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) के विकास और रखरखाव के लिए कार्यों को मंजूरी देती है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, आवंटन और व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं	**राज्य**	**चालू परियोजनाएं**			**वित्त वर्ष 2024-2025 आवंटन (करोड़ रुपए में)**	**वित्त वर्ष 2024-25 31.10.2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)**
		सं.	**लंबाई (किमी)**	**लागत (करोड़ रुपए में)**		
1	**मध्य प्रदेश**	**58**	**1,865**	**27,229**	**4,100**	**3,662**
2	**महाराष्ट्र**	**146**	**3,750**	**78,061**	**11,887**	**10,504**

(घ) मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से यातायात का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा और बेहतर संपर्कता के साथ-साथ इन राज्यों के समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इससे सड़क प्रयोक्ताओं की सुरक्षा में वृद्धि के साथ-साथ यात्रा समय और वाहन संचालन लागत में भी कमी सुनिश्चित होगी।

(ङ) भूमि अर्जन, पर्यावरण संबंधी चिंताएं और सामुदायिक सहभागिता सहित परियोजना कार्यान्वयन को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के संरेखण को अंतिम रूप देने के समय जनता से विचार विमर्श किया जाता है। परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे कि प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सूचना प्रणाली (पीएमआईएस) और डेटा लेक, भूमिराशि पोर्टल (भूमि अर्जन के लिए) के माध्यम से की जाती है। इन मुद्दों को हल करने और परियोजनाओं का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों , राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के अधिकारियों सहित सभी हितधारकों के साथ मंत्रालय में विभिन्न स्तरों पर समय-समय पर समीक्षा की जाती है।

*****